## Lecture 9:

**Prof Nirmal Kr Singh**
Associate Professor
Deptt of LSW
S.N.S.R.K.S College, Saharsa
Email: nirmalsingh245@gmail.com

# Industrial Relations:

## Topics:

1. **औद्योगिक सम्बन्धों का महत्व (Importance of Industrial Relations)**
2. **औद्योगिक सम्बन्धों के निर्धारक घटक (Factors Determining Industrial Relations)**
3. **खराब औद्योगिक सम्बन्धों के कारण (Causes of Poor Industrial Relations)**

### # 1. औद्योगिक सम्बन्धों का महत्व (Importance of Industrial Relations):

प्रत्येक निर्माणी संस्था का मुख्य उद्देश्य न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन कर अधिक-से-अधिक ग्राहकों की आवश्यकताओं की पूर्ति करना है । एक संस्था अपने इस उद्देश्य में तभी सफल हो सकती है जब उद्योग में शांति व्यवस्था बनी रहे और संस्था का उत्पादन कार्य निरन्तर चलता रहे ।

मशीनें, यन्त्र व सामग्री निर्जीव होते हैं बिना श्रमिकों के प्रयत्नों के ये उपयोगिता वाले पदार्थो में परिवर्तित नहीं हो सकते । उत्पादन के लिए श्रमिकों का सहयोग आवश्यक है । इस प्रकार स्पष्ट है कि संस्था की कार्यकुशलता एवं सफलता के लिए मधुर औद्योगिक सम्बन्ध अत्यन्त आवश्यक हैं ।

श्रमिकों की समस्या औद्योगिक क्रान्ति का विषैला शिशु है । श्रमिक, उत्पादन के अन्य सभी घटकों से अलग घटक है । वह एक जीवित प्राणी है जो अन्य अचेतन घटकों को प्रभावित करता है । किसी भी क्रिया को सफल बनाने के लिए श्रमिकों की समस्या को समझना चाहिए । कर्मचारियों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए ।

यदि कोई उत्पादन योजना मानवीय तथ्यों पर अधारित नहीं है तो वह प्रभावहीन सिद्ध होगी । उद्योग में नियोक्ता, कर्मचारी सम्बन्ध का महत्व अब उतना विस्तृत

हो गया है कि वित्त, उत्पादन के साथ-साथ कर्मचारी को भी उतना ही महत्व दिया जाता है ।

**कर्मचारी वर्ग प्रबन्धक से निम्न आशाएँ रखता है:**

**(1) मानवीय साधनों का उपभोग:**

प्रबन्धक तभी किसी कर्मचारी से अधिक कार्य ले सकता है, जबकि उसमें निर्णय लेने की क्षमता हो ।

**(2) प्रत्येक कर्मचारी का अधिकतम विकास**: कर्मचारी के विकास का उत्तरदायित्व प्रबन्धक पर होता है ।

**(3)** संघर्ष तथा विरोध को शीघ्रता से समाप्त किया जाए ।

**कर्मचारी वर्ग अपने श्रम के बदले निम्न सुविधाएं प्राप्त करना चाहता है:**

**a. अनिवार्य आवश्यकताओं की पूर्ति**:

प्रत्येक कर्मचारी प्रबन्धक से अपने लिए मकान, कपड़ा, भोजन आदि की व्यवस्था करना चाहता है ।

**b. सुरक्षा:**

प्रत्येक कर्मचारी अपने पद पर बने रहने की सुरक्षा चाहता है ।

**c. आत्मविश्वास:**

प्रत्येक कर्मचारी अपने आत्मविश्वास के लिए पदोन्नति के अवसर भी चाहते हैं ।

**d. स्तर:**

कर्मचारी का सामाजिक स्तर, उसके कार्य स्तर से प्रभावित होता है । इसी कारण वह कार्य स्तर से सन्तुष्टि चाहता है ।

---

## # 2. औद्योगिक सम्बन्धों के निर्धारक घटक (Factors Determining Industrial Relations):

**मधुर औद्योगिक सम्बन्धों की स्थापना के लिए निम्नलिखित शर्तों का पालन करना आवश्यक है:**

(i) प्रबन्ध तथा श्रमिक वर्ग के साथ बराबरी के आधार पर विचार-विमार्श होना आवश्यक है ।

(ii) मजबूत, स्वतन्त्र जनतन्त्र पर आधारित श्रम संघ तथा नियोक्ता संघों का निर्माण करना ।

(iii) लई औद्योगिक सौदेबाजी या शान्तिमय समाधान की व्यवस्था करना ।

(iv) सामान्य जनता की श्रमिकों के प्रति सहानुभूति होना ।

(v) सरकार द्वारा उचित श्रम प्रमापों का निर्धारण किया जाना ।

(vi) श्रमिकों की बड़ी हुई उत्पादकता के लाभों में श्रमिकों तथा सेवायोजक को बराबर हिस्सा देना ।

(vii) संगठन के सेवायोजकों और श्रमिकों के मध्य निरंतर संचार की व्यवस्था करना ।

(viii) श्रमिकों को सभी स्तरों पर शिक्षा प्रशिक्षण की व्यवस्था करना ।

(ix) सेवायोजकों के द्वारा श्रम कल्याण में कार्य किया जाना ।

(x) सेवायोजकों के द्वारा श्रमिकों को संगठन मे उचित मान्यता प्रदान करना ।

---

## # 3. खराब औद्योगिक सम्बन्धों के कारण (Causes of Poor Industrial Relations):

औद्योगिक सम्बन्धों का दृश्य संतोषजनक नहीं है । हड़ताल, तालाबंदी, घिराव इत्यादि रोजाना देखने को मिलते है ।

**बहुत से कारण इसके लिए जिम्मेदार हैं जो कि:**

1.आर्थिक,

2. संगठनात्म,

3. सामाजिक,

4. मनोवैज्ञानिक, और

5. राजनीतिक हो सकते हैं ।

**1. आर्थिक कारण (Economic Causes):**

प्रबन्ध एवं श्रम के बीच खराब सम्बन्धों का मुख्य कारण कम मजदूरी एवं खराब कार्य दशाओ का होना है । आर्थिक कारणों में-मजदूरी से अनाधिकृत कटौती, फिरिन्ज बैनीफिट की कमी, पदोन्नति के अवसरों की कमी, प्रेरणात्मक मजदूरी का न होना इत्यादि शामिल हैं ।

**2. संगठनात्मक कारण (Organisational Causes):**

दोषपूर्ण संचार व्यवस्था, ट्रेड यूनियन को मान्यता न देना अनुचित व्यवहार श्रम कानूनों का उल्लघन आदि ऐसे संगठनात्मक कारण है, जिनके कारण औद्योगिक सम्बन्ध खराब होते हैं ।

**3. सामाजिक कारण (Social Causes):**

कार्य के प्रति असन्तुष्टता, मान-सम्मान में कमी समाज मे संघर्ष, संयुक्त परिवार में दरार आदि ऐसे कारण हैं, जो खराब औद्योगिक सम्बन्धों को बढ़ावा देते हैं ।

**4. मनोवैज्ञानिक कारण (Psychological Causes):**

कार्य के प्रति असुरक्षा की भावना, मैरिट को महत्व न देना, कार्य निष्पादन को महत्व न देना इत्यादि कुछ ऐसे मनोवैज्ञानिक कारण है जिनसे औद्योगिक सम्बन्ध खराब होते हैं ।

**5. राजनीतिक कारण (Political Factors):**

ट्रेड यूनियनों की राजनीतिक प्रकृति, बहु-संघों का होना, अन्तर्यूनियन दुश्मनी आदि ट्रेड यूनियन मूवमैंट को कमजोर करते हैं । मजबूत यूनियन की अनुपस्थिति में सामूहिक सौदेबाजी कमजोर पड़ जाती है, जिसके कारण नियोक्ता प्रबन्ध कर्मचारियों को दबाते हैं, जिसके कारण प्रबन्ध एवं श्रम में सम्बन्ध खराब होते हैं ।

----------*******The End*******----------